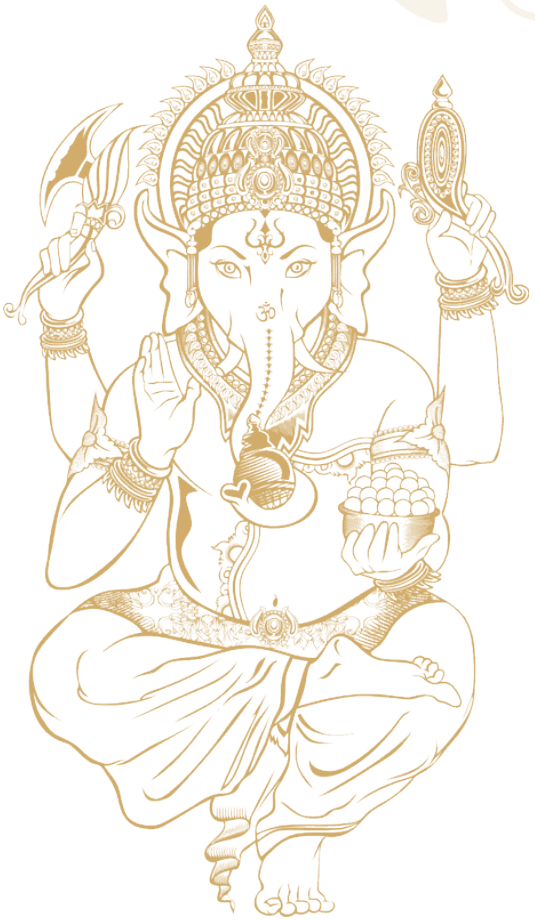

Mr.vi

19 May 1996

05:10 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120407804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/05/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:10:00 घंटे**
इष्ट	29:02:25 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:33 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:01 घंटे
सूर्योदय	05:33:02 घंटे
सूर्यास्त	19:07:36 घंटे
दिनमान	13:34:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:57:38 वृष
लग्न के अंश	10:33:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:33:36	313:09:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृष	04:57:38	00:57:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	27:46:51	12:13:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मेष	18:39:22	00:44:17	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	मेष	28:10:14	00:30:41	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		धनु	23:30:11	00:02:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	04:28:44	00:01:48	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	10:42:31	00:05:21	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कन्या	22:35:24	00:07:41	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	22:35:24	00:07:41	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:43:46	00:00:31	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:50:20	00:00:38	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	08:01:08	00:01:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कर्क	12:48:31	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:27

लग्न-चलित

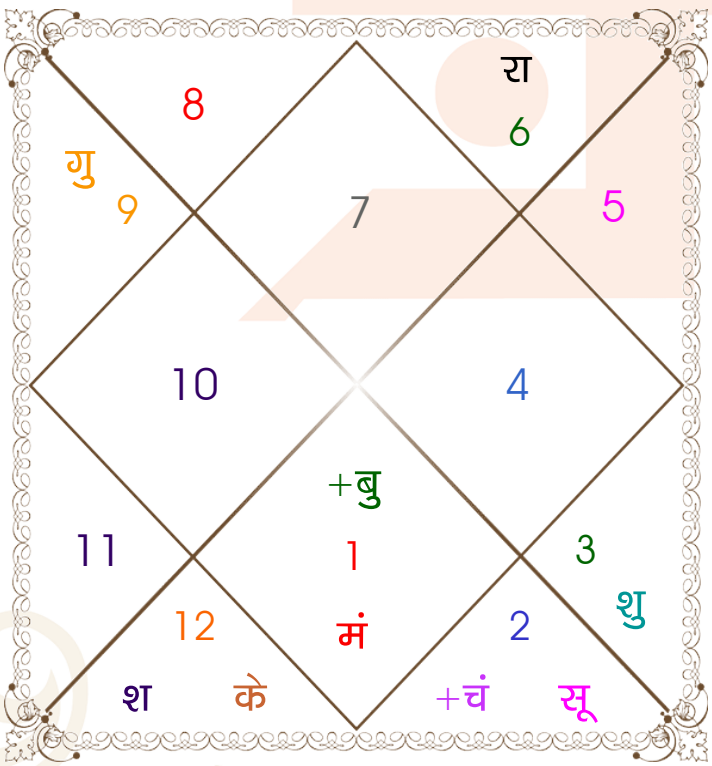

चन्द्र कुंडली

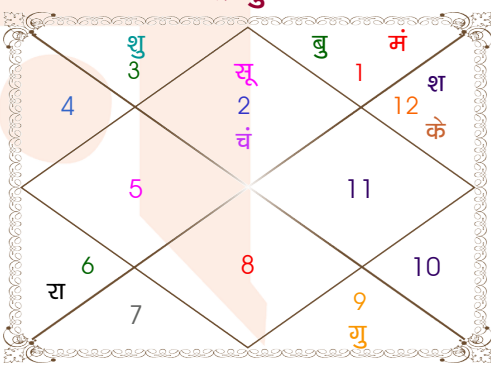

नवमांश कुंडली

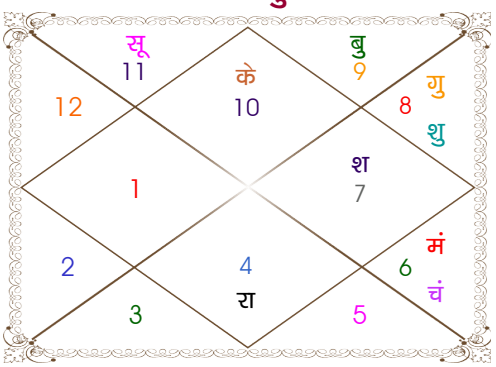

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 7 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/05/1996		17/01/2001		18/01/2019		18/01/2035		17/01/2054	
17/01/2001		18/01/2019		18/01/2035		17/01/2054		18/01/2071	
	00/00/0000	राहु	30/09/2003	गुरु	07/03/2021	शनि	20/01/2038	बुध	15/06/2056
	19/05/1996	गुरु	23/02/2006	शनि	18/09/2023	बुध	30/09/2040	केतु	12/06/2057
गुरु	09/06/1996	शनि	30/12/2008	बुध	24/12/2025	केतु	08/11/2041	शुक्र	12/04/2060
शनि	19/07/1997	बुध	19/07/2011	केतु	30/11/2026	शुक्र	08/01/2045	सूर्य	17/02/2061
बुध	16/07/1998	केतु	06/08/2012	शुक्र	31/07/2029	सूर्य	21/12/2045	चंद्र	19/07/2062
केतु	12/12/1998	शुक्र	07/08/2015	सूर्य	19/05/2030	चंद्र	22/07/2047	मंगल	16/07/2063
शुक्र	11/02/2000	सूर्य	30/06/2016	चंद्र	18/09/2031	मंगल	30/08/2048	राहु	02/02/2066
सूर्य	18/06/2000	चंद्र	30/12/2017	मंगल	24/08/2032	राहु	07/07/2051	गुरु	09/05/2068
चंद्र	17/01/2001	मंगल	18/01/2019	राहु	18/01/2035	गुरु	17/01/2054	शनि	18/01/2071

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/01/2071		17/01/2078		17/01/2098		19/01/2104		18/01/2114	
17/01/2078		17/01/2098		19/01/2104		18/01/2114		00/00/0000	
केतु	16/06/2071	शुक्र	19/05/2081	सूर्य	07/05/2098	चंद्र	18/11/2104	मंगल	17/06/2114
शुक्र	15/08/2072	सूर्य	19/05/2082	चंद्र	06/11/2098	मंगल	19/06/2105	राहु	05/07/2115
सूर्य	21/12/2072	चंद्र	18/01/2084	मंगल	13/03/2099	राहु	19/12/2106	गुरु	20/05/2116
चंद्र	22/07/2073	मंगल	19/03/2085	राहु	05/02/2100	गुरु	19/04/2108		00/00/0000
मंगल	18/12/2073	राहु	19/03/2088	गुरु	24/11/2100	शनि	18/11/2109		00/00/0000
राहु	05/01/2075	गुरु	18/11/2090	शनि	06/11/2101	बुध	20/04/2111		00/00/0000
गुरु	12/12/2075	शनि	17/01/2094	बुध	13/09/2102	केतु	19/11/2111		00/00/0000
शनि	20/01/2077	बुध	17/11/2096	केतु	19/01/2103	शुक्र	20/07/2113		00/00/0000
बुध	17/01/2078	केतु	17/01/2098	शुक्र	19/01/2104	सूर्य	18/01/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।